

# अशोकनामा Ashoknaama

 भारत पर्यटन विकास निगम लि.  
India Tourism Development Corporation Ltd.

## ITDC welcomes the New Team at the Ministry of Tourism



**Dr. K. Chiranjeevi**

Hon'ble Minister of State for Tourism (Independent Charge)

Dr. K. Chiranjeevi, Member of the Rajya Sabha from Andhra Pradesh, took over Independent Charge as Minister of State for Tourism, Government of India on 29 October, 2012



**Shri Girish Shankar**

Additional Secretary  
Ministry of Tourism

Shri Girish Shankar, Additional Secretary, Ministry of Tourism, Government of India is a 1982-batch Indian Administrative Service (IAS) Officer of Bihar cadre.



**Shri Parvez Dewan**

Secretary, Ministry of Tourism

Shri Parvez Dewan, (IAS) took charge from Shri R.H. Khwaja as Secretary, Ministry of Tourism, Government of India. He was Secretary at the Ministry of Overseas Indian Affairs in 2011 and also the Chairman of the Overseas Indian Facilitation Centre in 2012.

A 1977 batch IAS of Jammu & Kashmir cadre, Shri Dewan has handled various responsibilities. He was Secretary Tourism, J&K (1992-94), Commissioner-cum-Secretary, J&K (1998-2001) and later Divisional Commissioner, J&K (2001-03).

An author of 18 books, Shri Dewan is a veteran of the Tourism sector. As the C&MD of ITDC between 2006 and 2009, ITDC recorded its three highest ever profits.



**Smt. Usha Sharma**

Additional Director General  
Ministry of Tourism

Smt. Usha Sharma, Additional Director General, Ministry of Tourism, Government of India took charge from Shri Devesh Chaturvedi. She is from Rajasthan cadre of IAS batch of 1985. Prior to this she served as Principal Secretary - Tourism, Government of Rajasthan.

## वाइस चेयरमैन व प्रबंध निदेशक की ओर से From the VC&MD's desk

### “नया साल, नई आशाएं और नए शिखर”



प्रिय साथियों,

आप सभी को नववर्ष के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

यह अत्यंत हर्ष और गर्व की बात है कि काफी लंबे समय बाद यह साल हमारे लिए सफलताओं का साल साबित हुआ है और हमने इस वर्ष 22.02 करोड़ रुपए का लाभ कमाया है। यह सफलता आपके कठिन परिश्रम और प्रतिबद्ध सेवा के बिना संभव नहीं थी।

- हमने इस बार पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार को 4.28 करोड़ रुपए का लाभांश दिया है, जो कि हमारी प्रगति का स्पष्ट द्योतक है। यहां यह बात भी उल्लेखनीय है कि आईटीडीसी पर इस समय कोई कर्ज नहीं है।
- वर्तमान वित्त वर्ष में भी दिसंबर 2012 तक आईटीडीसी को लगभग 14 करोड़ रुपए का समग्र लाभ प्राप्त हो चुका है और हमारा विश्वास है कि अंतिम तिमाही में भी लाभ का ग्राफ ऊपर की ओर ही उठता जाएगा।
- हमने अपनी जन-शक्ति को युक्तिसंगत बनाने के लिए भारी संख्या में पदों को अपग्रेड किया और अपने कर्मचारियों को उन पदों पर पदोन्नत करके उनका मनोबल बढ़ाया है। आपको यह जानकर खुशी होगी कि वर्ष 2012 में 250 कर्मचारियों को ऐसी पदोन्नति का लाभ प्राप्त हुआ है। यह क्रम आगे भी जारी रहेगा।
- आईटीडीसी में सीडीए के स्थान पर आईटीए पे-पैटर्न लागू करके अपने अनेक कर्मचारियों को लाभान्वित

किया है।

- हम पर्यटन मंत्रालय की “हुनर से रोजगार” नामक महत्वाकांक्षी योजना के लिए अग्रणी निष्पादन एजेंसी हैं, जिसमें आईटीडीसी द्वारा देश के शोषित व कमजोर वर्गों के बेरोजगार युवाओं को अपने 5 स्टार व 3 स्टार होटलों में रोजगार प्राप्त करने योग्य कुशलता प्रदान की जाती है। आईटीडीसी ने वर्ष 2012-13 के लिए निर्धारित 5000 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने का लक्ष्य दिसंबर 2012 में ही पूरा कर लिया है।
- इस सफलता ने हमारा मनोबल बढ़ाया है और हमने भविष्य के लिए अधिक महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं। पर्यटन मंत्रालय ने इससे खुश होकर इस वर्ष के लिए हमारे 5000 के पुराने लक्ष्य को बढ़ाकर 10,000 कर दिया है।
- इनमें से 1455 विद्यार्थी तो हाथों-हाथ रोजगार प्राप्त भी कर चुके हैं, जिसका मतलब यह है कि आईटीडीसी के कल्याणकारी प्रयासों से इन घरों में चूल्हे जल उठे हैं और परिवार की रोजी-रोटी का इंतजाम हो गया है।
- हम अपने मौजूदा होटलों को अपग्रेड कर रहे हैं तथा साथ ही अन्य राज्य सरकारों के पर्यटन विकास निगमों के साथ नए संयुक्त उद्यम बना कर नए होटल स्थापित करने की दिशा में प्रयासरत हैं।
- हमने इवेंट मैनेजमेंट के क्षेत्र में विश्व स्तर पर काफी प्रशंसा बटोरी है और हम इस क्षेत्र में अग्रणी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। देश-विदेश में अनेक समारोहों का सफल आयोजन इसका ज्वलंत उदाहरण है।
- आतिथ्य क्षेत्र में शिक्षा प्रदान करने के मामले में भी हमने मील का पत्थर पार किया है और अब हम एक पूर्णतः सुसज्जित पर्यटन विश्वविद्यालय स्थापित करने जा रहे हैं, जो कि आईटीडीसी की प्रगति के लिए नया

मार्ग साबित होगा। हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री महोदय ने सैद्धांतिक रूप से इसके लिए अपनी मंजूरी दे दी है और हमने औपचारिक आवेदन प्रस्तुत कर दिया है।

- आईटीडीसी का यह पर्यटन विश्वविद्यालय राई (हरियाणा) में लगभग 40 एकड़ भू-खंड पर बनाया जाएगा। यह देश में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय होगा, जो आईटीडीसी को इस क्षेत्र में अग्रणी बनाने में बेहद कारगर होगा और देश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा।
- हमने अपने शुल्क मुक्त व्यापार के विस्तार के लिए सी-पोर्टों पर काम करना आरंभ किया है। हम ऐसे अधिक सी-पोर्टों पर अपनी शुल्क मुक्त दुकानें खोलने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।
- मेरा विश्वास है कि आईटीडीसी अगले वित्त वर्ष में 1000 करोड़ का कुल कारोबार करने वाली कंपनी बनेगी।
- मैं आईटीडीसी के सभी कर्मचारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं और पर्यटन के क्षेत्र में सफलता के नए-नए शिखर छूने की अपनी प्रतिबद्धता को पुनः दोहराता हूं। मुझे भरोसा है कि आईटीडीसी परिवार के प्रत्येक सदस्य का पूरा सहयोग मेरे साथ होगा।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि नया साल आपके एवं आपके परिजनों के लिए नई खुशियां एवं समृद्धि लेकर आए।

जय हिंद।

डॉ. ललित के. पंवार  
वाइस चेयरमैन व प्रबंध निदेशक  
आई.टी.डी.सी.



## Ministry of Tourism launches the Second Phase of Incredible India Campaign at WTM, London

The Ministry of Tourism launched the second phase of the Incredible India Campaign at the World Travel Market 2012 (WTM), London.

The launch of these campaigns reflect an important paradigm shift in the Ministry's strategy to promote India within the country and abroad. The focus has shifted from destinations and products to consumers. While the tagline of the new international campaign is 'Find what you seek', the tagline for the campaign for the domestic market is 'Go beyond'.



The new international campaign is to target all the source markets. Consumers can make a choice on what they are seeking before hand. The objective of the domestic campaign is to expand and extend tourism benefits to unknown destinations, specially rural areas of the country.

During WTM 2012, India was conferred with three awards by the World Travel Awards Organization. These awards included: Asia's Leading Destination, Asia's Leading Tourist Attraction - Taj Mahal and Asia's Leading Tourist Board.

India's position was 38th in the world in terms of World Tourist Arrivals and 17th in terms of World Tourism Receipts. The endeavour of the Ministry of Tourism is to increase India's share to 1% in the World Tourist Arrivals by 2016.

## Incredible India 2013 Calendar



The Ministry of Tourism's Incredible India 2013 Calendar was launched on 1 January, 2013 at The Ashok. The Calendar is based on the theme "Find What You Seek" as part of Phase II of the Incredible India Campaign, which was launched during World Travel Market (WTM) 2012 in London.

Present on the occasion of Calendar launch were Shri Parvez Dewan, Secretary (Tourism), Ministry of Tourism; Shri Anand Kumar, Joint Secretary (Tourism); Shri Girish Shankar, Additional Secretary (Tourism) and Smt. Usha Sharma, Additional Director General (Tourism).

The theme "Find What You Seek" is based on the insight that India today is a well established destination which offers something to every traveller.

Every traveller can find in India what he/she is seeking in life. The Calendar portrays the beauty and diversity of various States and Union Territories of India ranging from their heritage sites, forts, monuments, mountains, beaches, lakes, backwaters, wildlife, adventure, natural bio-diversity hot spots, sports, spirituality, wellness, shopping, cuisine to MICE tourism.

The Calendar understates that India is for all reasons, for all seasons and for all. The January month shows skiing in Gulmarg, February depicts Bengal Tiger in Bandhavgarh, the month of March captures Scuba Diving in warm waters of Andaman to see corals, the month of April brings to the fore a Double Decker root foot bridge in Cherrapunji, the

month of May highlights Charminar of Hyderabad, the month of June takes the traveller to Buddhist Monks in Himalayas, the month of July has gorgeous Sun Temple of Konark, the month of August carries the Icon of India - Taj Mahal, the month of September takes the viewer to Mysore Palace in Karnataka, the month of October showcases the Formula One race, the month of November carries the picture of beautiful Munnar of Kerala and the Calendar ends with Desert of Jaisalmer, Rajasthan highlighted in the month of December.

Dr. K. Chiranjeevi, Hon'ble Minister of State for Tourism (IC) had earlier launched the Incredible India 2013 Calendar online. The Calendar can be viewed on the website [www.incredibleindia.org](http://www.incredibleindia.org)

## Farewell to Chief Vigilance Officer, ITDC



**श्री** बी एल मीणा, मुख्य सतर्कता अधिकारी ने आईटीडीसी से कार्यमुक्त होकर रेल मंत्रालय में कार्यभार ग्रहण किया है।

फोटो में 05 नवम्बर, 2012 को दि अवध रेस्टोरेंट, दि अशोक में आयोजित विदाई समारोह में उपस्थित डॉ. ललित के. पंवार, वाइस चेयरमैन व प्रबंध निदेशक, कोमोडोर (सेवानिवृत्त) आर के ओखरन्दियार, निदेशक (सीएंडएम), आईटीडीसी के नए मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री आर बी मीणा एवं आईटीडीसी के अन्य अधिकारीगण।

## Magic of Moments of Truth



**अ**शोक आतिथ्य व पर्यटन प्रबंध संस्थान (एआईएचएंडटीएम) द्वारा 18-19 दिसम्बर, 2012 को होटल सम्राट में दो-दिवसीय "मैजिक ऑफ मूमेंट्स ऑफ ट्रुथ" नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का संचालन प्रो. मोइद सिद्दिकी ने किया। 18 दिसम्बर, 2012 को कार्यशाला का उद्घाटन श्री आर एच ख्वाजा, सचिव, खान मंत्रालय, भारत सरकार ने किया तथा 19 दिसम्बर, 2012 को श्री परवेज़ दीवान, सचिव (पर्यटन), पर्यटन मंत्रालय ने समापन सम्बोधन किया।





## ITDC pays Dividend of Rs 3.95 crore to the Government



*The Dividend cheque being presented to Shri Subodh Kant Sahai, the then Hon'ble Minister of Tourism by Dr. Lalit K. Panwar, Vice Chairman cum Managing Director, ITDC in the presence of Shri Girish Shankar, Additional Secretary, Ministry of Tourism and other Senior Officials of ITDC*

India Tourism Development Corporation (ITDC), paid a Dividend of Rs 3.95 crore to the Ministry of Tourism, Government of India for the financial year 2011-12.

In the 47th Annual General Meeting of the Corporation, the Dividend at the rate

of 5% (that is Rs 4.28 crore) was approved. The Corporation could not distribute Dividend to its shareholders during the past two years due to operational losses during 2009-10 and 2010-11. As during the year 2011-12, there has been a profit; a Dividend of Rs 3.95 crore is being paid to the Ministry of Tourism and Rs 0.33

crore for distribution to other shareholders of the Corporation.

The cheque for an amount of Rs. 3.95 crore was presented on 25 October, 2012 to the then Hon'ble Minister of Tourism, Shri Subodh Kant Sahai by Dr. Lalit K. Panwar, Vice Chairman & Managing Director, ITDC.

ITDC closed the financial year 2011-12 with an all round increase in the performance as compared to the previous financial year. The turnover of the Corporation increased from Rs. 392.36 crore to Rs. 423.06 crore registering an increase of 7.82%. The Corporation has earned a profit of Rs. 22.02 crore (before tax) for this financial year against a loss of Rs. 11.73 crore during 2010-11 and a loss of Rs. 20.51 crore during 2009-10. The Corporation, besides showing improvement in the turnover and profitability, also showed a significant improvement in the operational efficiency. Further, the turnover of almost all the operational verticals increased during the year.

## ITDC and Hindustan Salts Ltd. join hands for Development of Tourism

ITDC signed an MoU with Hindustan Salts Ltd. (HSL) and its subsidiary Sambhar Salts Ltd. (SSL), a Government of India undertaking under the administrative control of the Department of Heavy Industry on 20 December, 2012 at The Ashok. The objective of the association is the proposed development of tourist centres in the states of Gujarat, Rajasthan and Himachal Pradesh.

To explore the possibilities of developing its large land bank at different locations, HSL with its subsidiary SSL has joined hands with ITDC to undertake the development of regions of Khara Ghoda (Gujarat), Sambhar Lake (Rajasthan) and Mandi (Himachal Pradesh) as tourist centres. These regions provide tremendous potential for development of 'Heritage and

Theme Based Tourism'. This association will witness ITDC leveraging its expertise and technical support for development of infrastructure for promotion of tourism.

In the initial phase, a detailed Master Plan will be prepared entailing details of the different projects post which individual projects would be undertaken jointly either through formation of a joint venture company/companies/Public Private Partnership or involvement of Rajasthan Development Corporation (RTDC). As part of the understanding, HSL/SSL will provide "Rights to use of land" for development and implementation of tourism related projects and ITDC will provide expertise and technical support for development of centres for tourist interest.



*Dr. Lalit K. Panwar, VC & MD, ITDC and Shri R.K. Tandon, C & MD, Hindustan Salts Ltd. at the MoU signing*

The two Organizations also agreed that special emphasis would be given to the areas of Tourism in preparation of the Master Plan/Sub Plans viz. Eco Tourism; Cultural Tourism; Adventure Tourism; Salt Lake Tourism and Execution; Special

Tourist Trolley Train around Salt Ponds and Salt Lake Area of Sambhar on the lines of Heritage Toy Trains as operating in Shimla and Darjeeling; Health Tourism; Heritage Tourism which may include converting one of the old residential colony of pre-independence time made during British regime at Sambhar Salt Works as "Heritage Village"; Religious Tourism to centuries old Temples; Boating on Canal Tourism on proposed artificial canal along approx. 110 kms boundary of Sambhar Salts Ltd; Rural Tourism and Environmental Landscaping and Commercial exploitable fruit plantation around Salt Ponds, Salt Lake and proposed Canal approx 110 kms boundary of Sambhar Salts Ltd. and proposed tourist centres.

A Task Force of two members of HSL/SSL and two members of ITDC would be formed to further coordinate the activity besides, the following would also be considered and their implementation will be given priority for development: Centre for Skill Development for youth under the 'Hunar Se Rozgar' scheme of the Ministry of Tourism; Camp/Tented Accommodation for Tourism around Salt Ponds, proposed Artificial Canal and Salt Lake Area; A centre for "Eco Tourism and Research" as per "Ramsar Conventions" and Development of Salt Heritage Museum.

The MoU will initially be valid for a period of 3 years from the date of signing, extendable further for a period as would be decided by the Management of both the Organizations.

## Passing out Parade Ceremony of Pilot Batch of 'Hospitality Training Security Guards Course' under "HSR"



Shri Parvez Dewan, Secretary (Tourism), Govt. of India (centre), Dr. Lalit K. Panwar, VC & MD, ITDC (extreme right) at the Passing Out Parade Ceremony of Pilot Batch of Hospitality Training Security Guards Course



Certificates and Placement Letters being awarded by Shri Parvez Dewan, Secretary (Tourism), Govt. of India to successful candidates of Hospitality Training Security Guards Course

ITDC and Martyr Flight Lieutenant Maheesh Trikha Foundation (M-Trix), with their joint endeavour successfully carried out the programme 'Hospitality Training Security Guards Course' for training students under the Ministry of Tourism's "Hunar Se Rozgar" scheme.

The Passing Out Parade of the Pilot Batch of students trained under the programme was conducted on 8 November, 2012 at Delhi Home Guards Central Training Institute, Raja Garden, New Delhi in the presence of the Chief Guest - Shri Parvez Dewan, Secretary (Tourism), Govt. of India.

Present on the occasion were Dr. Lalit K. Panwar, Vice Chairman and Managing Director, ITDC, Col. J.R. Trikha, Secretary, M-Trix, Ms. Swadesh Trikha, President, M-Trix, Senior Officials of ITDC and M-Trix along with Shri D.S. Rawat, Commandant (CTI) and Shri B.B. Choudhary, Commandant (Home Guard) from Delhi Home Guard Central Training Institute. Successful candidates were awarded their Certificates and Placement Letters.

The programme "Hospitality Training Security Guards Course" provides training for Security Guards in the

field of Tourism and Hospitality. The Course Programme consists of 60 days training to create employable skills in the interested youth between the age group of 18-28 years and minimum 10th class pass.

The candidates undergoing training are provided with free of cost uniforms, tool kits, course materials and everyday meals. At the end of the course, successful candidates are eligible for a stipend of Rs 2000/-. In the Pilot Batch of the programme, 40 students were trained and all the students have been placed successfully in the Industry.

## New Duty Free Shop at Mangalore Seaport

ITDC launched its new Duty Free Shop at the New Mangalore Seaport. With the opening of this Duty Free Shop, ITDC has established its presence at 5 Seaports in the Country. At present, ITDC runs Duty Free Shops at the International Airports of Goa and Coimbatore and at Seaports in

Chennai, Kolkata, Haldia and Mormogoa, Goa.

Dr. P. Tamilvanan, Chairman, New Mangalore Port Trust (NMPT) inaugurated the Shop in the presence of Director (C&M), ITDC, other Officials and business associates of ITDC as well as Officials of NMPT and Customs.

The shop is strategically located inside the Cruise Passenger Lounge at New Mangalore Seaport and will make available the world's best-known spirits,



Dr. P. Tamilvanan, Chairman, New Mangalore Port Trust (NMPT) inaugurating the new Duty Free Shop of ITDC. Second from left is Cmde (Retd.) R.K. Okhandiar, Director (C&M) ITDC and on extreme right is Ms Reena Kanwar, GM (AITD)

wines, top selling brands of cigarettes, tobacco, and excellent arrays of Indian Products like Tribal handicrafts as well as a wide assortment of Teas at the most competitive prices.





## ITDC's Culinary Voyage...

The culinary expertise of ITDC chefs continues to be unparalleled... whether it is a Food Festival in India or abroad, a Road Show, an exclusive Dinner or Theme Party or a major catering assignment. With the support of the Ministry of Tourism, the "achievers" continue to add laurels.

► The High Commission of India in Port of Spain, Republic of Trinidad & Tobago in association with India Tourism Office, New York organised The Indian Food Festival from 16 August - 22 August, 2012 in Hilton Hotel and Conference Centre, Port of Spain. The event coincided with the 65th anniversary of India's Independence and the 50th anniversary of Trinidad and Tobago's Independence.

Shri Mukesh Kumar, Chef, Hotel Samrat and Shri Arjun, Commi-I, Hotel Janpath were nominated to show case Indian Cuisine at the Festival. The main objective of the festival was to show case the Authentic Indian Cuisine and Culture to the visitors of Port of Spain.



The festival "A taste of India" was inaugurated by H.E. Shri Malay Mishra, High Commissioner of India in a gathering of Ministers, Diplomats, Government Officials and Media persons.

The cuisine was a blend of North India and South India Cuisine. The main attractions for the evening were the live tandoor and dosa / uttapam counters as well as the live cooking demonstrations given to the interested guests. The variety in the dessert menu further delighted the guests. The festival offered guests a celebration of authentic Indian Cuisine and culture.

The response from the guests as well as the media was very encouraging and the team was commended for their performance on an excellent job done.

► Incredible India Culinary Festivals were held at Ho Chi Minh City and Hanoi, Vietnam from 12-19 September, 2012. The festival was held at Cafe Rivoli Restaurant, Sofitel Saigon Plaza, Ho Chi Minh City and 21-23 September, 2012 at Hemisphere Steak & Seafood Grill Restaurant, Sheraton Hanoi Hotel, Hanoi, Vietnam.

Shri Sanjay B Dasari, Sous Chef, Lalitha Mahal Palace Hotel, Mysore and Shri A.P. Girish Kumar, Demi Chef de Partie, The Ashok, New Delhi were nominated for the Festival.



The food during the festival at Ho Chi Minh City was served in a grand Buffet during dinner included salads, starters, main course and dessert. Dosa and Appam were prepared at live stations during dinner. Indian Embassy hosted a dinner on the 17 September, 2012 for the dignitaries of Ho Chin Minh City. Interviews of the Chefs were aired on the local Vietnam TV.

The festival at Hanoi was held at the Sheraton Hanoi Hotel in collaboration with the Embassy of India in Vietnam. During the Festival food was served during both lunch and dinner. Chettinad cuisine was served during the event and the Indian Embassy hosted a dinner for diplomats, dignitaries and who's who of Hanoi on 21 September, 2012 and for the Indian Chamber of Commerce the next day. The inaugural lamp was lit by the Indian Ambassador to Vietnam and the Chefs briefed the

guests and media on Indian cuisines from South India. Print, electronic and on-line media gave extensive coverage to the festival.

► The Embassy of India, Berlin, Germany in association with the India Tourism Office, Frankfurt organised India Food Festivals as part of the celebration of "Days of India in Germany".

The Indian Food Festivals were held from 17 September - 23 September, 2012 at Maritim Hotel, Berlin and from 27 September - 3 October, 2012 at Park Hyatt, Hamburg. Shri Jitender Himral, Chef, The Ashok, New Delhi and Shri Akshaya Kumar Barik, Commi-I, Hotel Kalinga Ashok, Bhubaneswar were nominated.



Hotel Maritim was embellished with Indian handicrafts, lavish costumes and other presentations on India, to welcome visitors for the Festival. Diverse sumptuous assortment of mouth-watering Indian dishes from à la carte menu were offered for both lunch and dinner at its Grand Restaurant.

Apples Restaurant at the Park Hyatt, Hamburg was the venue for the festival held from 27 September - 3 October, 2012. Diverse sumptuous assortment of mouth-watering Indian dishes from à la carte menu were offered for both lunch and dinner at the Apple Restaurant. The food was well appreciated by the guests, media, local and international guests of the Hotel both at Maritim (Berlin) and at Park Hyatt (Hamburg).

The expertise of the Chefs was appreciated also at other high level events hosted by the Embassy of India. The menu creation, including its presentation drew excellent feedback from the guests.

## Hon'ble Minister of State for Tourism (IC) releases Book on 50 Master Chefs of India



**डॉ.** के. चिरंजीवी, पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), भारत सरकार ने “50 मास्टर शेफ्स : इंडियाज मोस्ट डायनेमिक फूड पीपल” नामक पुस्तक का विमोचन दि अशोक, नई दिल्ली में अंतरराष्ट्रीय शेफ दिवस एवं शेफ पुरस्कार समारोह (आईसीएफ द्वारा आयोजित) के अवसर पर शीर्षस्थ होटलियरों एवं शेफों की उपस्थिति में किया।

उपस्थित गणमान्य अतिथियों में श्री परवेज़

दीवान, सचिव (पर्यटन), पर्यटन मंत्रालय; श्री गिरीश शंकर, अपर सचिव (पर्यटन); श्रीमती ऊषा शर्मा, अपर महानिदेशक पर्यटन; डॉ. ललित के पंवार, आईटीडीसी के वाइस चेयरमैन व प्रबंध निदेशक और शेफ पुरस्कार संयोजन समिति के अध्यक्ष, श्री अनिल भंडारी शामिल थे।

यह पुस्तक इंडियन कुलिनरी फोरम (आईसीएफ) के सहयोग से “हॉस्पिटैलिटी बिज” द्वारा प्रकाशित की गई है, जिसमें

देश-भर के 50 शीर्षस्थ शेफों के जीवनवृत्त उनके विशिष्ट व्यंजनों के साथ शामिल किए गए हैं।

डॉ. चिरंजीवी ने भारतीय शेफ समुदाय द्वारा भारतीय खाद्य परंपराओं एवं भारतीय व्यंजनों को विश्वभर में लोकप्रिय बनाने में निभाई गई भूमिका की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

## Launch of Visa Agreement



श्री ए रहमान मलिक, पाकिस्तान के आंतरिक मामलों के माननीय मंत्री को दि अशोक, नई दिल्ली में आगमन पर उनका स्वागत करते हुए होटल के प्रधान प्रबंधक, श्री गौतम चटर्जी

14 दिसम्बर, 2012 को दि अशोक, नई दिल्ली में भारत व पाकिस्तान के बीच नए वीसा करार के शुभारंभ पर भारत सरकार के माननीय गृहमंत्री, श्री सुशील कुमार शिंदे एवं पाकिस्तान सरकार के आंतरिक मामलों के माननीय मंत्री श्री ए. रहमान मलिक



## Hospitality India Awards



*The ITDC Officials Shri Niraj Bachketi, Shri Sireesh Saxena and Smt. Promila Paruthi, receiving the awards from Shri Salman Khurshid, Hon'ble Minister of External Affairs and Shri TKA Nair, Advisor to the Hon'ble Prime Minister of India*

8th Hospitality India & Explore the World Annual International Awards – 2011 were held at The Ashok, New Delhi on 21 November, 2012 to honour a galaxy of leaders, professionals of the industry and leading institutions who have given the sector new milestones in terms of their service. The event was also followed by Tourism & Travel Trade Fair

on 22 -23 November, 2012.

Three Senior Officials of ITDC were awarded on the occasion.

Shri Niraj Bachketi, Vice President – Consultancy, Administration & Human Resource Development for “Aggressively Promoting Hunar Se Rozgar Campaign for Benefit of Youth”

Shri Sireesh Saxena, Vice President – Corporate, Executive Chef and Vice President – Hotels for “Outstanding Contribution to Culinary Art”

Smt. Promila Paruthi, General Manager – Corporate PR & Culture & Advertising and Ashok Creatives for “Best Professional in PR & Advertising”

## ITDC to initiate the process to set up Global Tourism & Hospitality University (GTHU) in Haryana

ITDC will be setting up a dedicated university for travel and hospitality education at Rajiv Gandhi Education City at Rai in Haryana to train manpower as well as undertake research activity. The Haryana Government has already approved 40 acres of land in the Rajiv Gandhi Educational City for the University for Global Tourism

& Hospitality University and the Corporation is in the process of appointing a Transaction Consultant for the project. The course structure would consist of components like Indian School of Dhaba Management, Indian Culinary Institute, Hunar Se Rozgar Academy etc.

## Corporate and MICE Travel Mart

OptiMICE Events Pvt. Ltd. (M/s Gill India Publishers) held a one day Corporate and MICE Travel Mart at the host hotel – The Ashok, on 16 November, 2012.

The Buyers consisted of Fortune 500 Companies, Corporate Travel Purchasers, Travel Agents and the Sellers included Destinations, Airlines, Hotels, Travel Agents and DMCs.

## ITDC signs an MoU with TTDC

India Tourism Development Corporation (ITDC) entered into an MoU with Tripura Tourism Development Corporation (TTDC), a Government of Tripura Public Sector Undertaking on 18 October, 2012.

The MoU was signed between the parties to develop tourism in the State of Tripura and utilize the expertise of ITDC in the field of tourism for constructing and developing a hotel based on Public Private Partnership model to be built on a piece of land admeasuring 2.65 acre, presently named as Rajarshi Yatriniwas, opposite Raj Bhawan, Kunjaban, Agartala, exclusively earmarked for this purpose.

For the purpose of implementing, the two corporations would incorporate a Joint Venture Company solely responsible for implementing the Project. In the Joint Venture, ITDC will have 51 per cent stake and Tripura Government 49 per cent stake.

# निगम मुख्यालय में हिंदी कार्यशाला का आयोजन



अक्टूबर-दिसंबर 2012 तिमाही में निगम के राजभाषा विभाग द्वारा 10 दिसंबर, 2012 (सोमवार) को स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली स्थित निगम के सम्मेलन कक्ष में एक-दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह हिंदी कार्यशाला वर्ष 2012 की ऐसी चौथी कार्यशाला है।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में एनआईसी में वरिष्ठ तकनीकी निदेशक श्री केवल कृष्ण ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से कम्प्यूटरों में यूनिकोड सक्रिय करने एवं उस पर सरकारी कामकाज हिंदी में सरलता से करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण अत्यंत ही सरल एवं बोधगम्य शैली में प्रदान किया। इस अवसर पर उन्होंने इस व्यवस्था के अंतर्गत अंग्रेजी की-बोर्ड की सहायता से ही हिंदी टाइप करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। कार्यशाला के दूसरे सत्र में एअर इंडिया में वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) श्री आर पी जोशी ने भारत सरकार की राजभाषा नीति की विस्तृत जानकारी दी और सरकारी कार्यालयों में उसके समुचित कार्यान्वयन के संबंध में व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया।

दोनों ही सत्रों के अंत में लिखित परीक्षा ली गई, ताकि प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया जा सके। हिंदी कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों को निगम की ओर से हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से हिंदी के प्रख्यात विद्वान श्री जयशंकर प्रसाद जी एवं श्री ज्ञान रंजन जी की प्रतिनिधि कहानियों के संकलन प्रदान किए गए।

हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर शत-प्रतिशत हिंदी में ही दिया जाना अनिवार्य है

हिंदी में प्राप्त पत्रादि के उत्तर, चाहे वे किसी भी क्षेत्र से प्राप्त हुए हों और किसी भी राज्य सरकार, व्यक्ति या केंद्रीय सरकार के कार्यालयों से प्राप्त हुए हों, केवल हिंदी में दिए जाएं। इनमें वे पत्र भी शामिल होंगे, जो लिखे तो अंग्रेजी भाषा में गए हैं, किंतु उन पर हस्ताक्षर हिंदी में किए गए हैं। (राजभाषा नियम, 1976 का नियम 5)

निगम मुख्यालय के पुस्तकालय में उपलब्ध हिंदी पुस्तकों की सूची वेबसाइट पर

स्कोप कॉम्प्लेक्स में चौथे तल पर स्थित पुस्तकालय में उपलब्ध हिंदी पुस्तकों की सूची निगम की वेबसाइट [www.theashokgroup.com](http://www.theashokgroup.com) पर लोड कर दी गई है, ताकि अधिकारी एवं कर्मचारीगण सरलता से पुस्तक चयन कर सकें और उनका उपयोग कर सकें।

निगम (मुख्यालय) की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक

अक्टूबर-दिसंबर 2012 की तिमाही में भारत पर्यटन विकास निगम की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक निदेशक (सीएंडएम) की अध्यक्षता में 26 दिसंबर, 2012 को निगम मुख्यालय के स्कोप भवन स्थित सम्मेलन कक्ष में हुई।

बैठक के प्रारम्भ में सदस्य-सचिव ने आदरणीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों का औपचारिक स्वागत करते हुए अध्यक्ष महोदय से समिति सदस्यों का मार्गदर्शन करने का अनुरोध किया।

अध्यक्ष महोदय श्री रतन कुमार ओखन्दिार ने निगम में हिंदी के अधिकाधिक प्रगामी प्रयोग पर बल देते हुए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक-कार्यक्रम 2012-13 का संज्ञान लेने और उसमें विभिन्न कार्यक्रमों के लिए निर्धारित लक्ष्यों का अनुपालन प्रभाग स्तर पर सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

**Chief Editor:** Dr. Lalit K. Panwar, VC&MD, ITDC

**Editorial Board:** Cmde (Retd.) R K Okhandiar, VSM, Director (C&M)

R B Meena, Chief Vigilance Officer

P K Aggrawal, Vice President (Finance)

**Editor:** Promila Paruthi, General Manager (PR&C / AC)

**Principal Correspondents:** All Divisional Heads & Unit General Managers

**Designed by** Benchmark Graphic Pvt. Ltd. **Printed at** Archana Advertising Pvt Ltd



## हुनर से रोज़गार होटल जम्मू अशोक

**आ**आईएलएंडएफएस ने “हुनर से रोज़गार योजना” के अधीन उत्तीर्ण हुए छात्रों के प्रथम बैच के लिए 8 नवंबर, 2012 को होटल जम्मू अशोक में विदाई समारोह का आयोजन किया।

इस विदाई समारोह की अध्यक्षता श्री रॉबिन सिंह मेहता, निदेशक (पर्यटन), जम्मू व कश्मीर सरकार ने की। इस अवसर पर कर्नल एम एम शाह, आईएलएंडएफएस, एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी सर्विसिज लि. के जम्मू व कश्मीर के क्षेत्रीय प्रमुख उपस्थित थे।

इस अवसर पर 25 छात्रों के संपूर्ण बैच को प्लेसमेंट लेटर भी दिए गए।



## जयपुर अशोक में सिज़लर फूड फेस्टिवल



**हो**टल जयपुर अशोक ने 23 दिसंबर, 2012 से एक सप्ताह का सिज़लर फूड फेस्टिवल आयोजित किया। इस उत्सव का उद्घाटन श्री लाल चंद कटारिया, माननीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा किया गया।

इस उत्सव में विभिन्न स्वादिष्ट एवं लाजवाब सिज़लर प्रस्तुत किए गए। इस उत्सव में तंदूरी चिकन शाशिलक, कैफे कलेक्शन सिज़लर, चिकन टिक्का सिज़लर, पास्ता अरबियाता सिज़लर, मद्रासी प्लैटर, पिंक सिटी सिज़लर, मालपुआ रबड़ी सिज़लर और अन्य व्यंजन प्रस्तुत किए गए। फोटोग्राफ में माननीय मंत्री जी का होटल आगमन पर स्वागत किया जा रहा है।

## पंचतंत्र की कहानियां: शत्रु से संभलकर ही रहना चाहिए

**ए**क चिड़ा पेड़ पर घोंसला बनाकर मजे से रहता था। एक दिन वह दाना पानी के चक्कर में अच्छी फसल वाले खेत में पहुंच गया। वहां खाने पीने की मौज से बड़ा ही खुश हुआ। उस खुशी में रात को वह घर आना भी भूल गया और उसके दिन मजे में वहीं बीतने लगे।

इधर शाम को एक खरगोश उस पेड़ के पास आया जहां चिड़े का घोंसला था। पेड़ जरा भी ऊंचा नहीं था। इसलिए खरगोश ने उस घोंसले में झांक कर देखा तो पता चला कि यह घोंसला खाली पड़ा है। घोंसला अच्छा खासा बड़ा था, इतना कि वह उसमें आराम से रह सकता था। उसे यह बना बनाया घोंसला पसंद आ गया और उसने यहीं रहने का फैसला कर लिया।

कुछ दिनों बाद वह चिड़ा खा-खा कर मोटा ताजा बन कर अपने घोंसले की याद आने पर वापस लौटा। उसने देखा कि घोंसले में खरगोश आराम से बैठा हुआ है। उसे बड़ा गुस्सा आया, उसने खरगोश से कहा, ‘चोर

कहीं के, मैं नहीं था तो मेरे घर में घुस गए हो? चलो निकलो मेरे घर से, जरा भी शर्म नहीं आई मेरे घर में रहते हुए?’

खरगोश शान्ति से जवाब देने लगा, ‘कहां का तुम्हारा घर? कौन सा तुम्हारा घर? यह तो मेरा घर है। पागल हो गए हो तुम। अरे! कुआं, तालाब या पेड़ एक बार छोड़कर कोई जाता है तो अपना हक भी गवां देता है। यहां तो जब तक हम हैं, वह अपना घर है। बाद में तो उसमें कोई भी रह सकता है। अब यह घर मेरा है। बेकार में मुझे तंग मत करो।’

यह बात सुनकर चिड़ा कहने लगा, ‘ऐसे बहस करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। किसी धर्मपण्डित के पास चलते हैं। वह जिसके हक में फैसला सुनायेगा उसे घर मिल जाएगा।’

उस पेड़ के पास से एक नदी बहती थी। वहां पर एक बड़ी सी बिल्ली बैठी थी। वह कुछ धर्मपाठ करती नजर आ रही थी। वैसे तो यह बिल्ली इन दोनों की जन्मजात शत्रु है लेकिन वहां और कोई भी नहीं था इसलिए उन दोनों ने

उसके पास जाना और उससे न्याय लेना ही उचित समझा। सावधानी बरतते हुए बिल्ली के पास जा कर उन्होंने अपनी समस्या बताई।

उन्होंने कहा, ‘हमने अपनी उलझन तो बता दी, अब इसका हल क्या है? इसका जबाब आपसे सुनना चाहते हैं। जो भी सही होगा उसे वह घोंसला मिल जाएगा और जो झूठ होगा उसे आप खा लें।’ ‘अरे रे!! यह तुम कैसी बातें कर रहे हो, हिंसा जैसा पाप नहीं इस दुनिया में। दूसरों को मारने वाला खुद नरक में जाता है। मैं तुम्हें न्याय देने में तो मदद करूंगी लेकिन झूठे को खाने की बात है तो वह मुझसे नहीं हो पाएगा। मैं एक बात तुम लोगों को कानों में कहना चाहती हूं, जरा मेरे करीब आओ तो!!’

खरगोश और चिड़ा खुश हो गए कि अब फैसला हो कर रहेगा। और उसके बिलकुल करीब गए। फिर क्या? करीब आए खरगोश को पंजे में पकड़ कर मुंह से चिड़े को बिल्ली ने नोंच लिया। दोनों का काम तमाम कर दिया। अपने शत्रु को पहचानते हुए भी उस पर विश्वास करने से खरगोश और चिड़े को अपनी जानें गवांनी पड़ी।

सच है, शत्रु से संभलकर और हो सके तो चार हाथ दूर ही रहने में भलाई होती है।



## IASOWA - Winter Carnival

**अ**इसोवा (आई सी एस/आई ए एस आफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन) का एक-दिवसीय विंटर कार्निवल मनोरंजन, भोजन एवं खरीददारी का पर्व था। रविवार, 16 दिसंबर, 2012 को पालिका सर्विसिज़ आफिसर्स इंस्टीट्यूट (पीएसओआई) में आयोजित इस कार्निवल का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती सलमा अंसारी, पत्नी श्री एम हामिद अंसारी, भारत के माननीय उप-राष्ट्रपति द्वारा किया गया।

विंटर कार्निवल कार्यक्रम की विशिष्टताओं में सुस्वादु भोजन, खरीददारी की फायदेमंद सौदेबाजी, बच्चों के लिए खेल और पेंटिंग प्रतियोगिता, टैरो रीडिंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत, फैशन शो, लकी ड्रॉ आदि शामिल थे। सर्दी की सुनहरी धूप में, इससे बढ़िया दिन हो ही नहीं सकता था।



## International Bazaar at The Ashok

**द**िल्ली कॉमनवैलथ विमैन्स एसोसिएशन (डीसीडब्ल्यूए) विभिन्न राष्ट्रों की महिलाओं के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अवसर प्रदान करने के लिए वर्ष 1952 में एक छोटे समूह से शुरू हुई थी। आज डीसीडब्ल्यूए का विस्तार हो चुका है और सभी देशों की 400 से अधिक महिलाएं इसमें शामिल हैं। डीसीडब्ल्यूए का प्रमुख प्रयोजन कमजोर वर्गों के जीवन में सुधार लाने के लिए सामाजिक सेवा संगठन के रूप में मिलकर काम करना है।

भारत पर्यटन विकास निगम ने निगम सामाजिक दायित्व की अपनी प्रतिबद्धता के रूप में प्रति वर्ष होने वाले अंतरराष्ट्रीय बाज़ार के लिए डीसीडब्ल्यूए के साथ सह-प्रायोजन प्रारंभ किया है। यह वर्ष का अत्यंत प्रतीक्षित बाज़ार है क्योंकि इसमें अंतरराष्ट्रीय समुदायों के साथ-साथ स्थानीय उद्यमी और कॉर्पोरेट्स भी भाग लेते हैं।

इस समारोह ने दि अशोक में भारी भीड़ को आकर्षित किया, जिसने सभी देशों द्वारा प्रदर्शित व्यंजनों, शिल्प-वस्तुओं और कलाकृतियों का आनन्द लिया।





## “हिंदुस्तान का दुख”

(निगम मुख्यालय में आयोजित हिंदी पखवाड़ा, 2012 की स्वरचित हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता की प्रथम पुरस्कृत कविता)

एक दिन पान खाने, मन को बहलाने, हम  
पान की दुकान पर पहुंचे,

वहां चार मित्र बतिया रहे थे, पान मुंह में  
दबाए, गर्पों लड़ा रहे थे।

उनमें से एक थे मद्रासी, दूसरे मियां जी,  
तीसरे सिंह साहब और चौथे हिंदी भाषी।

तभी अचानक मुंह उठाए, बगल में पोटली  
दबाए, एक देहाती किसान वहां आया,

सबको निहारकर, पढ़ा-लिखा जानकर,  
उसने मुंह खोला - बोला...  
अपने देश को बहुत चाहता हूं,

अबतक सिर्फ अन्न उगाया है, इसलिए मरने  
से पहले अपना भारत घूमना चाहता हूं।

तुमसब पढ़े-लिखे हो, मुझको राह दिखाओ,  
कहां-कहां मैं जाऊं, मुझको यह समझाओ।

सुनते ही सबसे पहले बोले मद्रासी, स्वामी...  
बस एक ही जगह तुम्हें आएगी रास,

मेरी मानो तो चले जाओ सीधे-सीधे मद्रास।  
सुनकर यह बात, तुनक पड़े सिंह साब,

“कैसा ये राग, कैसा ये रास, धत् रे ओ  
मद्रास”, पाप्पाजी तुसी जाओ नानक दर, ओ  
है अमृतसर।

सुनते ही फूटा शास्त्रीजी का स्वर, मित्रवर ये  
पंजाब, मद्रास आदि हैं भ्रम,

जरा सोचो क्या है तुम्हारा धर्म, दूसरों के  
चक्कर में मन सदा अशांत होता है,

शांति वहीं प्राप्त होती है, जहां ईश्वर का वास  
होता है, शांति चाहिए तो जाओ ईश्वर के द्वार,

वह है, हरिद्वार। सुनकर यह फरमान उछल पड़े  
मियां खान, या अल्लाह !  
क्यों बहका रहे हो बेचारे को,

मियां.... बस एक ही जगह है जाने को -  
अजमेर शरीफ, अगर आप वहां जाएंगे,  
तो खुदा कसम,

सारे गुनाह माफ हो जाएंगे। चारों की बात  
सुनकर किसान की आंखों में परेशानी के  
बादल छा गए।

पर स्वामी को फिर तैश आ गया,  
उन्होंने गुस्से में जबड़ा भीचा,  
किसान को अपनी तरफ खींचा,

बोले.... इनमें नहीं है कोई सच्चा,  
अपना मद्रास ही सबसे अच्छा।  
अब सिंह साब ने जबड़ा भीचा,  
किसान को अपनी तरफ खींचा,

बोले..... मद्रास में नहीं है कोई असर,  
तुस्सी जाओ अमृतसर।

सुनते ही शास्त्रीजी ने खींच लिया किसान को  
अपने द्वार, बोले.... सबसे अच्छा है हरिद्वार।

फिर गुस्से में झींककर, पान को पीककर,  
बोले..... मियां ! इनकी बातों में न आओ,  
सीधे अजमेर चले जाओ।

चारों की तू-तू, मैं-मैं बढ़ती गई,  
धर्म की लड़ाई जोर पकड़ती गई,  
पर किसान की हालत बिगड़ती गई।

चारों की खींचतान में किसान का कुर्ता फट  
गया, बड़ी मुश्किल से धर्म के शिकंजे से  
छुटकर वह कुछ दूर हट गया।

अपने कुर्ते को देखा तो रो पड़ा,  
फिर लगा कि शायद बहुत थक गया,  
कुछ सहमकर मुंह खोला,

बोला.... हम क्या पूछने आए थे, तुमने क्या  
बता दिया, अब क्या घूमें, क्या न घूमें ?

सारा हिन्दुस्तान तो तुमने यहीं दिखा दिया।

फिर उनके पास जाकर, जगह-जगह से फटे  
कुर्ते को दिखाकर वह बोला,  
देखो यह रहा मद्रास, यह रहा पंजाब, यह रहा  
अजमेर और यह रहा हरिद्वार।

कहते-कहते मन भारी होने लगा, वह वेदना के  
आंसू रोने लगा, फिर सुबकते हुए मुंह खोला,

बोला.... हम अनपढ़-गंवार कुछ नहीं जानते,  
पर इतना जरूर जानते हैं कि हमारे पास एक  
ही कुर्ता था,

धर्म के लिए अगर तुम इसी तरह भिड़ते  
रहे, आपस में लड़ते रहे, तो इस देश की  
खुशहाली, तबाह हो जाएगी, इकलौते हिंद की  
हालत इस कुर्ते जैसी हो जाएगी।

फिर अक्समात... कहकर यह बात  
वह किसान चला गया,

मगर मेरे कविमन को दर्द से रुला गया,  
दोस्तो..... यह कविता महज कविता नहीं है,  
वरन् इसमें यथार्थ छिपा है,

यदि भारत को आगे बढ़ाना है तो, सही धर्म  
क्या है, यह जानना होगा,

सभी धर्मों से आगे बढ़कर केवल राष्ट्र को ही  
अपना धर्म बनाना होगा।

श्री राजकुमार शर्मा  
ओएसडी (निदेशक-सीएंडएम)

## Kudos to

## The Ashok Housekeeping Team



## दि अशोक में “एथनिक” कला प्रदर्शनी

भारतीय कला एवं संस्कृति के संवर्धन के लिए भारत पर्यटन विकास निगम की प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, दि अशोक ने 10 दिसम्बर से 17 दिसम्बर, 2012 तक दि अशोक लॉबी में प्रख्यात कलाकार संघ्या अरविंद द्वारा वरली (पश्चिम भारत की जनजातीय कला) और मधुबनी (बिहार की लोक कला) की “एथनिक” कला प्रदर्शनी लगाई।

संघ्या अरविंद मधुबनी और वरली की भारतीय “एथनिक” कला की प्रख्यात कलाकार हैं। उनके कार्य का सम्मान कला-प्रेमियों, कला पारखियों एवं संग्राहकों द्वारा किया जाता है। कला के दो रूपों के प्रति उनके मनोभाव की पुष्टि उनकी इस टिप्पणी द्वारा होती है — “कला में पवित्रता एवं निष्कपटता निवासियों के पावन ईश्वरत्व से उत्पन्न होती है। मैं अक्सर विविध कला रूपों, वस्तुओं, छविओं के सृजन का स्वप्न देखती हूँ, जिनसे बहुत से कल्पनात्मक, सृजनात्मक, विचार उत्पन्न होते हैं। जब मैं पूरी



तरह इस कला में निमग्न होती हूँ, तो मैं पूर्णतया विश्रान्ति का अनुभव करती हूँ।”

कुशलतापूर्वक विकसित यह अनूठा “विश्रान्ति प्रभाव” इस कला को ओजस्वी एवं बहु-आयामी दृष्टिकोण प्रदान करती है। कलाकार ने इस कला को ग्रामीण मिट्टी की दीवारों से निकालकर आधुनिक लिफ्टिंग रूम तक सफलतापूर्वक पहुंचाया है।



## क्रैकरजैकर कार्निवल

बच्चों के लिए मजा ही मजा

दि अशोक में 22-23 दिसम्बर, 2012 को बच्चों को समर्पित दो-दिवसीय प्रदर्शनी एवं उत्सव का आयोजन किया गया। यह उत्सव, बच्चों को लाइ-प्यार दर्शाते हुए छोटा भीम का अभिनंदन और उससे मुलाकात, जादू व

कठपुतली प्रदर्शनों, सूचनापरक कार्यशालाओं, अविस्मरणीय फोटो-विकल्प, सांता क्लॉज उपहारों, अनगिनत खेलों और ढेर सारी खरीददारी से भरपूर था। बच्चों की किलकारियों से न केवल फ्रंट लॉन अपितु दि अशोक की लॉबी और कॉरीडोर भी गुंजायमान हो उठे।



## From the Editor

We invite all Ashokans to express what they feel. You can write it, draw it, versify it, picture it or share it as a joke. Swing into action immediately and rush your contributions via email or mail to The Editor, Ashoknaama at [editorashoknaama@gmail.com](mailto:editorashoknaama@gmail.com) or [promilaparuthi@gmail.com](mailto:promilaparuthi@gmail.com) or PR&C Division, Room 108, The Ashok, Chanakyapuri, New Delhi-110021.

The next issue of Ashoknaama is scheduled for January - March 2013. Make sure we get your contributions latest by 10 March, 2013.

Promila Paruthi



## If The Rock Could Speak...

14 December, 2012: The Sound & Light Show Kanyakumari financed by the Ministry of Tourism and executed by India Tourism Development Corporation (ITDC) was formally handed over by Shri R.N. Kumar, DGM (E&M), ITDC to Tamilnadu Tourism Development Corporation through Department of Tourism, Tamilnadu for managing the operations. The concept/script/direction of the Show has been done by Shri Muthusamy Varadarajan. The total cost of the project is ₹2.25 crore. The hardware was executed by M/s HCL Infosys Ltd.

An attempt has been made in the Show to highlight those aspects of Swami Vivekanda's life, sayings and works that were the direct result of as well as impacted the social conditions of his times, in fact of all times. He was guided by his mother Ma Bhuvaneshwari's dictum: "If you are right - it may be unjust or unpleasant, but do what you think is right." Supplementary advice came from his father Vishwanath Dutta: "Never show surprise, and never show fear." These were Swamiji's guideposts all his life.



### Sound & Light Shows

*An entertainment presented in a historic, usually outdoor setting, through recorded and mixed sound, lighting, projection and other effects to relate the history of the monument. Also called Son-et-Lumiere or Sound & Light Show. This is a form of entertainment that is depicted through an outdoor venue of historic significance.*

*Special lighting effects are projected on the façade of a building or monument and synchronized with recorded or live narration and music to dramatise the history of the place. The invention of the concept is credited to Paul Robert – Houdin, who was the curator of the Chateau de Chambord in France, which hosted the world's first Son-et-Lumiere in 1952. Another Show was implemented in the early 1960's at Great Pyramid of Giza in Egypt.*

*The format usually involves no active participation by actors but a recorded narrative of the monument with one or more voice-overs. The narration is mixed with music or sound effects and synchronized to lighting and/or projection effects which provide the visual dimension to Son-et-Lumiere. Pyrotechnic effects are occasionally included to enhance the visual effects.*

**ITDC is the pioneer in installing and operating Sound & Light Shows in the country**

#### ITDC Shows (Operational)

- Purana Qila, New Delhi
- Red Fort, Delhi
- Golconda Fort, Hyderabad
- Kumbhalgarh Fort, Rajasthan
- Chittorgarh Fort, Rajasthan
- Naicker Palace, Madurai
- Jallianwala Bagh, Amritsar

#### Shows under Implementation

- Ross Island, Port Blair, A&N Islands
- Cellular Jail, Port Blair, A&N Islands
- Shalimar Bagh, Srinagar, J&K
- Dal Lake, Srinagar, J&K
- Sarnath, Uttar Pradesh
- Talatal Ghar, Assam
- Kuka Movement, Ludhiana
- Deoghar, Jharkhand
- Kanke Dam, Ranchi, Jharkhand





## Hotel Patliputra Ashok

*Located at the heart of the bustling capital city of Patna, the Hotel offers the discerning traveller a unique experience of the old-world charm of Patliputra along with a host of modern amenities and state-of-the-art convention facilities. The entire hotel is wi-fi enabled, making the guest stay connected, all the time.*

*The Hotel is ideal for business travellers and tourists visiting the Buddhist sector - Nalanda, Rajgir, Bodhgaya as well as the tourists visiting the birth place of Guru Gobind Singh at Harmandir, Patna Sabej.*

**Location:** 2.5 kms from Bus Stand, 6 kms from Jai Prakash Narayan International Airport, 1.5 kms from Patna Junction Railway Station.

**Accommodation:** 46 Rooms, all air-conditioned including 1 Suite. All Rooms with attached bath, running hot & cold water, telephone, TV with cable, refrigerator and Tea/Coffee maker.

**F&B Outlets:** **Darpan Restaurant** Indian, South Indian, Continental and Chinese Cuisine; **Lounge Bar:** Well stocked bar

**Convention & Banquets:** Ashok Hall: 150 pax (Theatre Style) & 65 pax (U-shape); Convention Hall: 300 pax (Theatre Style) & 450 pax (Standing Buffet); Poolside Lawn: 250 pax (Standing Buffet); Siddharth & Gautam Boardrooms: 40 pax (Theatre style)

**Amenities:** Swimming Pool, Money Changer, Major Credit Cards accepted, Doctor on call, Laundry & Dry-cleaning same day service, 24 hours Room Service, Parking Facility, Safe Deposit Lockers, Transport/ Taxi Service.

**Address:** Beer Chand Patel Path, Patna – 800 001 Bihar • Tel 0612 – 2505270-76 • Fax 0612 – 2504467  
**E mail** ashokhotel@gmail.com info@ashokpatna.com • **Website** www.theashokgroup.com www.ashokpatna.com